



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 653]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 2, 2010/अग्रहायण 11, 1932

No. 653]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 2, 2010/AGRAHAYANA 11, 1932

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 2010

सं. 122/2010-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 947(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य (चाइना पीआर) और थाईलैंड (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के मद सं. 40112010 (टायर के लिए) और 40131020 और 40129049 (ट्यूब और फ्लैप के लिए) के अंतर्गत आने वाले बस और ट्रक रेडियल टायर (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के आयात के मामले में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 1 जनवरी, 2010 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 14/17/2008-डीजीएडी, तारीख 1 जनवरी, 2010 के द्वारा, इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि—

- (क) संबद्ध देशों से पठित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध माल के कुल उत्पादन और बाजार मांग की तुलना में भी वृद्धि हुई है परिणामतः घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है;
- (ख) आयातों से कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है, जिससे घरेलू उद्योग पर कीमत हासकारी प्रभाव पड़ा है;
- (ग) उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होने के बावजूद 2006-07 में बढ़ोतारी होने के बाद घरेलू उद्योग की बिक्री की प्रति इकाई लाभप्रदता में गिरावट आई है। लाभ में

गिरावट आने के परिणामस्वरूप नकद लाभ तथा लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है;

- (घ) उच्चतर क्षमता उपयोग के बावजूद हिस्से में गिरावट की वजह से घरेलू उद्योग के पास मालसूची में गिरावट आई है;
- (ङ) घरेलू उद्योग की पाठन और क्षति को समाप्त करने के लिए अंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है;

और अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उद्गमित या वहां से निर्यात किए, संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी;

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (i), तारीख 19 फरवरी, 2010 में प्रकाशित भारत सरकार, के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 12/2010-सीमा-शुल्क, तारीख 19 फरवरी, 2010 [सा.का.नि. 93(अ), तारीख 19 फरवरी, 2010] द्वारा उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 40 के विषयगत देशों में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित किया गया था;

और जबकि गैसर्स गिति टायर (अन्हुई) कं. लि. [“गिति (अन्हुई)”] और मैसर्स गिति टायर (फुजियान) कं. लि. (“गिति फुजियान”) और मै. गिति टायर चाँगविंग कं. लि. (“गिति चाँगविंग”) (तीनों उत्पादक एवं निर्यातक हैं) ने सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का पहचान, उस पर प्रतिपाठित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उसके द्वारा किए गए निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने, भारत के राजपत्र, असाधारण,

भाग I, खंड 1, तारीख 21 सितम्बर, 2010 में प्रकाशित अधिसूचना सं. 15/25/2010-डीजीएडी, तारीख 21 सितम्बर, 2010 द्वारा उक्त मैसर्स गिति टायर (अन्हुई) कं. लि. [“गिति (अन्हुई)”] और मैसर्स गिति टायर (फुजियान) कं. लि. (“गिति फुजियान”) और मै. गिति टायर चाँगकिंवग कं. लि. (“गिति चाँगकिंवग”) (तीनों उत्पादक एवं निर्यातक हैं) द्वारा किए गए, बस और ट्रक रेडियल टायर सभी निर्यातों का, समीक्षा के पूरे होने तक, अनन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपादित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर, अभिहित प्राधिकारी के उक्त समीक्षा के पूरे होने तक, यह आदेश देती है कि मैसर्स गिति टायर (अन्हुई) कं. लि. (“गिति अन्हुई”) और मैसर्स गिति टायर (फुजियान) कं. लि. (“गिति फुजियान”) और मै. गिति टायर (“चाँगकिंवग”) कं. लि. (“गिति चाँगकिंवग”) चाइना पीआर द्वारा निर्यातित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के मद सं. 4011 20 10 (टायर के लिए), 4013 10 20 और 4012 90 49 (ट्यूब और फ्लैप के लिए) के अंतर्गत आने वाले बस और ट्रक रेडियल टायर का जब भारत में आयात किया जाये, अनन्तिम मूल्यांकन किया जायेगा।

2. अनन्तिम मूल्यांकन के लिए ऐसी प्रतिभूति या गारंटी आवश्यक होगी जो यथास्थिति सीमा-शुल्क सहायक आयुक्त या सीमा-शुल्क उपायुक्त द्वारा, समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से निश्चयात्मक प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करने की स्थिति में, अपर्याप्तता की अदायगी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपाठन शुल्क की सिफारिश करते हैं तो आयातक, ऐसी प्रतिपादित शुल्क की रकम, जो मैसर्स गिति टायर (अन्हुई) कं. लि. (“गिति (अन्हुई)”) और मैसर्स गिति टायर (फुजियान) कं. लि. (“गिति फुजियान”) और मै. गिति टायर चाँगकिंवग कं. लि. (“गिति चाँगकिंवग”) द्वारा भारत में किए गए सभी बस और ट्रक रेडियल टायर के आयातों पर जो अभिहित प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई हो, जांच की अवधि के प्रारम्भ की तारीख से, अदा करेगा।

[फा. सं. 354/207/2009-टीआरयू (पार्ट-1)]

के. एस. वि. वि. प्रसाद, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 2010

No. 122/2010-Customs

G.S.R. 947(E).—Whereas, in the matter of import of Bus and Truck Radial Tyres (hereinafter referred to as the subject goods), falling under item numbers 4011 20 10 (for

tyres) and 4013 10 20 and 4012 90 49 (for tubes and flaps respectively) of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and originating in, or exported from the People's Republic of China (China PR) and Thailand (hereinafter referred to as the subject countries), the designated authority, *vide* its final findings in notification No. 14/17/2008-DGAD, dated the 1st January, 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 1st January, 2010, had come to the conclusion that :—

- (a) there had been increase in the volume of dumped imports from the subject countries, both in absolute terms as also in relation to total production and market demand of the subject goods in India, resulting in a decline in the market share of the domestic industry;
- (b) the imports were causing significant price undercutting resulting in price suppressing effect on the domestic industry;
- (c) in spite of increase in production and sales, profitability of the domestic industry per unit of sales declined after increasing in 2006-07, resulting in deterioration in profits, cash profits and a decline in the return on capital employed;
- (d) decline in the market share had resulted in increase in inventories with the domestic industry in spite of higher capacity utilization;
- (e) this had led to domestic industry suffering material injury and imposition of final duty is required to offset dumping and injury;

and had recommended imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of the subject goods, originating in, or exported from, the subject countries;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on subject goods falling under Chapter 40 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR and imported into India *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 12/2010-Customs, dated the 19th February, 2010, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, G.S.R. 93(E), dated the 19th February, 2010;

And whereas, in the said matter, M/s. Giti Tire (Anhui) Company Ltd. (“Giti Anhui”), M/s. Giti Tire (Fujian) Company Ltd. (“Giti Fujian”) and M/s. Giti Tire (Chongqing) Company Ltd. (“Giti Chongqing”), (All the three being both producers and exporters), have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority, *vide* new shipper review initiation notification

No. 15/25/2010-DGAD, dated the 21st September, 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 21st September, 2010 has recommended provisional assessment of all exports of Bus and Truck Radial Tyres, made by M/s. Giti Tire (Anhui) Company Ltd. ("Giti Anhui"), M/s. Giti Tire (Fujian) Company Ltd. ("Giti Fujian") and M/s. Giti Tire (Chongqing) Company Ltd. ("Giti Chongqing"), (All the three being both producers and exporters), when imported into India, till the completion of the said review;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, export of Bus and Truck Radial Tyres falling under item Nos. 4011 20 10 (for tyres) and 4013 10 20 and 4012 90 49 (for tubes and flaps respectively) of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, by M/s. Giti Tire (Anhui) Company Ltd. ("Giti Anhui"), M/s. Giti Tire (Fujian)

Company Ltd. ("Giti Fujian") and M/s. Giti Tire (Chongqing) Company Ltd. ("Giti Chongqing"), from China PR, when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of Bus and Truck Radial Tyres into India, when exports made by M/s. Giti Tire (Anhui) Company Ltd. ("Giti Anhui"), M/s. Giti Tire (Fujian) Company Ltd. ("Giti Fujian") and M/s. Giti Tire (Chongqing) Company Ltd. ("Giti Chongqing"), when imported into India, from the date of initiation of the said review.

[F. No. 354/207/2009-TRU(Pt. 1)]

K. S. V. V. PRASAD, Under Secy.